Nai Dunia (Indore), 23rd May 2024, Front Page Plus - 02

आइआइटी इंदौर के विशेषज्ञ बनाएंगे नदी शुद्धीकरण की पुख्ता रूपरेखा

- अभियान के दौरान कम्युनिकेशन के लिए गठित होगी सेल
- कान्ह और शिप्रा का देखेंगे पूरा कैचमेंट एरिया

नईदुनिया प्रतिनिधि, इंदौर : शहर में कई बार कान्ह और सरस्वती नदी के शुद्धीकरण के प्रयास किए गए, बावजूद अपेक्षित सफलता नहीं मिली। करोड़ों रुपये के खर्च करने के बाद भी नदियां अपने पुराने स्वरूप में नहीं लौट सकी। प्रशासन ने फिर से नदी शुद्धीकरण के प्रयास शुरू किए हैं। इस बार आइआइटी इंदौर की मदद ली जा रही है। आइआइटी के विशेषज्ञ सर्वे कर शुद्धीकरण की पुख्ता रूपरेखा बनाएंगे। नियमित संवाद के लिए आइआइटी में एक सेल भी गठित होगी, जो सर्वे कार्यों की नियमित मानीटरिंग के साथ प्रशासन और नगर निगम से संपर्क में रहेगी।

सिंहस्थ 2028 से पहले कान्ह और सरस्वती नदी का शुद्धीकरण किया जाना है ताकि गंदा पानी शिप्रा में नहीं मिल सके। बुधवार को कलेक्टर कार्यालय में आइआइटी इंदौर के निदेशक प्रोफेसर सुहास जोशी एवं अन्य प्रोफेसर के साथ कलेक्टर आशीष सिंह व नगर निगम आयुक्त शिवम वर्मा द्वारा बैठक की गई। तय हुआ कि कान्ह व शिप्रा के कैचमेंट एरिया को देखेंगे। सर्वे लंबी अवधि को ध्यान में रखकर किया जाएगा।

सांवेर क्षेत्र में भी होगा सर्वे

शहरी क्षेत्र में नगर निगम एसटीपी बनाने के साथ ही पुरानी लाइन को बदेलगा। बैठक में तय हुआ कि आइआइटी के विशेषज्ञ इसका सर्वे भी करेंगे। विशेषज्ञों की टीम शहरी क्षेत्र के साथ ही सांवेर क्षेत्र में भी सर्वे करेंगी। ग्रामीण क्षेत्रों में सीवरेज का पानी नदी में नहीं मिले इसके लिए प्लान बनाया जाएगा।